over, to say on television, so that the whole world sees it. देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया देख रही है। चाहे हमारा सदन हो, हमारा public discourse हो, उसकी गूंज पूरी दुनिया में उठती है। ऐसे वीरों के लिए कहना कि मैं इपपपपपपककफिर ऐसे शब्द इस्तेमाल करूंगा, फिर इसी प्रकार से देश को बांटने की बात करूंगा और लोगों की जो आस्था है, उसके ऊपर ठोस घाव पहुंचाऊंगा, यह double whammy है, double निंदनीय है। सर, एक तो यह पहलू है। न लीडर ऑफ दि अपोजिशन, न खुद सुमन जी और न ही राम गोपाल जी, इसके ऊपर कुछ कह रहे हैं।

श्री सभापति: सुमन जी बोलना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... After him, I will give it to Suman*ji*. ...(*Interruptions*)...

श्री पीयूष गोयल: सभापति जी, यह भी इक्वली निंदनीय है कि लीडर ऑफ दि अपोजिशन, इतने वरिष्ठ राजनेता होने के बावजूद, इसको एक ऐसा ट्विस्ट देने की कोशिश कर रहे हैं, जो ये बार-बार करते हैं। हमने इस सदन में कई बार देखा है कि इस देश को जात-पांत पर बांटकर बंटवारा करना। ...(**व्यवधान**)... जात-पांत पर लोगों को भ्रमित करना, false narrative बनाना, यह खरगे जी की बार-बार करने की जो कोशिश होती है, वह भी उतनी ही निंदनीय है। ...(**व्यवधान**)... हम चाहते हैं कि देश में सामाजिक समरसता रहे, देश एकजुट हो, लेकिन यह जो इनकी मंशा है, यह मंशा भी आज एक्सपोज़ हुई है। ...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति जी, मैं समझता हूं कि आज समय आ गया है कि दुनिया को, देश को इस सदन से एक मैसेज जाए, इस सदन से एक आवाज गूंजे कि पूरा सदन एक आवाज में, एक स्वर में रामजी लाल सुमन जी के वाक्य को, जो बात उन्होंने कही है, उसको condemn करता है, उसको निंदनीय मानता है। पूरा सदन एक आवाज में दुनिया को बताए कि इस देश की ताकत, हमारी एकता और एकजुटता पर कोई व्यक्ति आहत नहीं पहुंचा सकता है। यह condemn करने का दायित्व आपकी अध्यक्षता में ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Shri Ramji Lal Suman, please. ...(*Interruptions*)... Nothing is going on record except the speaker concerned. ...(*Interruptions*)...

श्री रामजी लाल सुमन: सभापति जी, ...(**व्यवधान**)... सर, हाउस को व्यवस्थित कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned to meet at 12.00 noon, today.

The House then adjourned at twenty nine minutes past eleven of the clock.

The House re-assembled at twelve of the clock,
MR. CHAIRMAN *in the Chair.*

ANNOUNCEMENT BY THE CHAIR

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, a request has been received from the Minister of Parliamentary Affairs for taking up the Protection of Interests in Aircraft Objects Bill, 2025 before the Private Members' Resolutions listed in today's revised List of Business.

I have acceded to the request of the Minister. Accordingly, the discussion on the Protection of Interests in Aircraft Objects Bill, 2025 will commence from 1.00 p.m. up to 2.30 p.m. by skipping the Lunch Hour. The reply of the discussion will be done on the next available opportunity. The Private Members' Resolutions will be taken up at 2.30 p.m.

Now, Question Hour. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir, Papers have to be laid on the Table of the House.

MR. CHAIRMAN: We will take care of what has not been done. Now, Question Hour... ...(*Interruptions*)...

श्री रामजी लाल सुमन (उत्तर प्रदेश): सर, इन्होंने मेरे नाम का उल्लेख किया है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: No, nothing will go on record. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. Question number 301, Shri Kesridevsinh Jhala. ...(*Interruptions*)... Sanjay Singh*ji*, you are not aware. The hon. Member made disparaging, painful observations, and the person in Chair, hon. Deputy Chairman, expunged them. As per Dr. Radha Mohan Das Agrawal, the hon. Member reiterated the observations. Those highly objectionable observations, according to him, will be reiterated. ...(*Interruptions*)... Question Number 301. Supplementary number one, Shri Kesridevsinh Jhala. Nothing else to go on record except what the Member called speaks.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Measures to expand export of fresh fruits